विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग -दशम्

विषय- हिंदी

पुनरावृति

// वाच्य //

कर्मवाच्य :–

जिस वाक्य में कर्म मुख्य हो तथा इसकी सकर्मक क्रिया के लिंग, वचन व पुरूष कर्म के अनुसार हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं।

जैसे –

a) लड़कियों द्वारा बाजार जाया जा रहा है।

b) मेरे द्वारा रामायण पढ़ी जा रही है।

c) वर्षा से पुस्तक पढ़ी गई।

इन वाक्यों में पढ़ी जा रहीं है, पढी गई क्रियाएं कर्म के लिंग, वचन, पुरूष के अनुसार आई है।

यह भी पढ़े: अविकारी शब्द (अव्यय) किसे कहते हैं, प्रकार, उदाहरण

3. भाववाच्य :–

जिस वाक्य में अकर्मक क्रिया का भाव मुख्य हो, उसे भाववाच्य कहते हैं |

जैसे –

a) हमसे वहाँ नहीं ठहरा जाता।

b) उससे आगे क्यों नहीं पढ़ा जाता। ‘

c) मुझसे शोर में नहीं सोया जाता।

इन वाक्यों में ठहरा जाता, पढ़ा जाता और सोया जाता क्रियाएं भाववाच्य की है।

कर्तृवाच्य:

1. लड़किया बाजार जा रही है।
2. मैं रामायण पढ़ रहा हूँ।
3. ममता ने रामायण पढ़ी।
4. लता गाना गाएगी।
5. धर्मवीर वेद पढ़ेगा।

6. तुम फूल तोड़ोगे।
7. नौकर चाय लाएगा।

कर्मवाच्य:

1. लड़कियों द्वारा बाजार जाया जा रहा है।
2. मेरे द्वारा रामायण पढ़ी जा रही है।
3. ममता से रामायण पढ़ी गई।
4. लता से गाना गाया जाएगा।
5. धर्मवीर से वेद पढ़ा जाएगा।
6. तुमसे फूल तोड़े जाएंगे।
7. नौकर द्वारा चाय लाई जाएगी।

कर्तृवाच्य:

1. राम तेज दौड़ता है।
2. मैं सर्दियों में नहीं नहाता।
3. आशा नहीं हँसती।
4. बच्चा खूब सोया।
5. रमा नहीं पढ़ती।
6. मैं हँसता हूँ।
7. मोर ऊँचा नहीं उड़ता।

यह भी पढ़े: वाक्य की परिभाषा, भेद, उदाहरण

भाववाच्य:

1. राम से तेज दौड़ा जाता है।
2. मुझसे सर्दियों में नहीं नहाया जाता।
3. आशा से नहीं हँसा जाता।
4. बच्चे से खूब सोया गया।
5. रमा से पढ़ा नहीं जाता।
6. मुझसे हँसा जाता है।
7. मोर से ऊँचा नहीं उड़ा जाता ।